

मातरिश्वा पुं. (तत्.) 1. पवन, वायु 2. एक प्रकार की अग्नि।

मातलि पुं. (तत्.) इंद्र का सारथी।

मातलि-सूत पुं. (तत्.) इंद्र।

मातहत वि. (अर.) जो किसी के अधीन हो पुं. अधीनस्थ कर्मचारी।

मातहतदार पुं. (अर.) जमीन का वह मालिक जो दूसरे बड़े मालिक के अधीन हो।

मातहती स्त्री. (तत्.) मातहत होने की अवस्था या भाव।

माता स्त्री. (तद्.) 1. जन्म देनेवाली स्त्री. जननी, माँ 2. आदरणीय, पूज्य या बड़ी स्त्री 3. प्राचीन भारत में वेश्याओं की दृष्टि से वह वृद्धा स्त्री जो उनका पालन पोषण करती थी और उन्हें नाच-गाना आदि सिखाकर उनसे पेशा कराती थी, खाला 4. चेचक या शीतला नामक रोग 5. गौ 6. जमीन, भूमि 7. विभूति 8. लक्ष्मी 9. इंद्रवारुणी 10. जटामासी वि. मदमस्त, मतवाला।

मातामह पुं. (तत्.) किसी की माता का पिता, नाना।

मातुल पुं. (तत्.) 1. माता का भाई, मामा 2. धतूरा 3. एक प्रकार का धान 4. एक प्रकार का साँप 5. मदन नामक वृक्ष।

मातुलानी स्त्री. (तत्.) 1. मामा की पत्नी, मामी 2. भाँग।

मातुलुंग पुं. (तत्.) बिजौरा नींबू।

मातुलेय पुं. (तत्.) मामा का लड़का, ममेरा भाई।

मातृ स्त्री. (तत्.) जननी, माता।

मातृक वि. (तत्.) 1. माता-संबंधी, माता का 2. माता के पक्ष में प्राप्त होने वाला (अधिकार, व्यवहार आदि), 'पितृक' का विरुद्धार्थक पुं. 1. मामा 2. ननिहाल।

मातृकच्छिद पुं. (तत्.) परशुराम।

मातृका स्त्री. (तत्.) 1. जननी, माता 2. गौ 3. दूध पिलानेवाली दाई, धाय 4. सौतेली माँ, उपमाता 5. तांत्रिकों की एक प्रकार की देवियाँ जिनकी संख्या सात कही गई है 6. वर्णमाला की बारहखड़ी 7. ठोड़ी पर की आठ विशिष्ट नसें 8. वह स्त्री जो लड़कियों, दाइयों आदि के कामों की देख-रेख करती हो।

मातृ-गण पुं. (तत्.) सात अथवा आठ मातृकाओं का गण या वर्ग।

मातृ-तंत्र पुं. (तत्.) कुछ प्राचीन जातियों में वह सामाजिक व्यवस्था जिसमें गृह की स्वामिनी माता मानी जाती थी और वही घरेलू व्यवस्था भी करती थी।

मातृ-तीर्थ पुं. (तत्.) हथेली में छोटी उँगली के मूल का उभरा हुआ स्थान।

मातृत्व पुं. (तत्.) मातृ या माता अर्थात् संतानवाली होने की अवस्था पद या भाव।

मातृ-देश पुं. (तत्.) 1. मातृभूमि 2. विशेषतः विदेशों में जाकर बसे हुए लोगों की दृष्टि से उनके पूर्वजों की मातृभूमि।

मातृ-पक्ष पुं. (तत्.) किसी की माता के पूर्वजों का कुल या पक्ष, ननिहाल।

मातृ-पूजा स्त्री. (तत्.) विवाह के दिन से पहले छोटे-छोटे मीठे पूरे बनाकर पितरों का किया जाने वाला पूजन।

मातृ-बंधु पुं. (तत्.) माता के संबंध का अथवा मातृ-पक्ष का कोई आत्मीय।

मातृ-भाषा स्त्री. (तत्.) 1. किसी व्यक्ति की दृष्टि से उसकी माँ द्वारा बोली जाने वाली भाषा जिसे वह माँ की गोद में ही सीखने लगता है 2. किसी व्यक्ति की दृष्टि से वह भाषा जो उसकी राष्ट्रियता के अन्य लोग बोलते हो।

मातृ-भूमि स्त्री. (तत्.) वह स्थान या देश जिसमें किसी का जन्म हुआ हो, और इसीलिए जो उसे माता के समान प्रिय समझता हो।